भजन

एक न एक दिन जाना होगा, हरी भरी फुलवारी तज कर मरघट सेज सजाना होगा, रे जाना होगा

1–राग रंग में जीवन बीते, जीत जीत कर कभी न जीते
बड़ा अनोखा खेल मौत का, टूटा ताना बाना होगा
रे जाना होगा

2–गिरा झोंपड़ी महल बना ले, दिवाली सी रोज मना ले
चाहे हंस ले रो ले गा ले, सब खामोश तराना होगा
रे जाना होगा